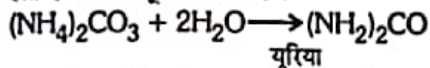


- केशिकाएँ (Capillaries) ग्लोमेरुलस के बाद पुनः संयोजित होकर अपवाही धमनिका (Efferent Arteriol) बनाती है।
- अपवाही धमनिका 'बोमेन सम्पुट' से निकलकर फिर बार-बार विभाजित होकर, वही केशिकाओं का जाल बनाती है, जो नेफ्रॉन के विभिन्न नलिका-भागों को ढँक लेती है।
- केशिकाएँ पुनः संयोजित होकर वृक्क शिरिकाएँ (Renal venules) बनाती हैं, जो वृक्क सिरा (Renal vein) में खुसती है।
- वृक्क-शिरा, वृक्क के रुधिर (blood) इकट्ठा करके पुनः हृदय (Heart) में ले जाती है।

वृक्क के कार्य (Functions of the kidney) —

- वृक्क का प्रमुख कार्य मूत्र का निर्माण करना है।
- वृक्क से उत्सर्जन मूत्र रूप में ही होता है।
- प्रोटीन चयापचय क्रिया के अंतःउत्पाद विभिन्न प्रकार के ऐमीनो अम्ल होते हैं जिससे यूरिया बनता है।



- यह यूरिया जंतु के लिए हानिकार होता है, इसलिए इसका बाहर निकलना अत्यावश्यक है।
- नाइट्रोजनयुक्त उत्सर्जी पदार्थ, जैसे यूरिया और अकार्बनिक लवण, रुधिर से वृक्क द्वारा छान लिए जाते हैं और मूत्रवाहिनियों के रास्ते मूत्राशय में जाकर मूत्र के रूप में बाहर निकाल दिए जाते हैं।
- रुधिर से सभी उत्सर्जी पदार्थों को हटाने और आवश्यक पोषक पदार्थों को बनाए रखने का कार्य 'वृक्क' के अंदर नेफ्रॉन (Nephrons) द्वारा संपन्न होती है।
- रुधिर से उत्सर्जी पदार्थ दो चरणों में हटाए जाते हैं—

(i) निस्पंदन (Filtration) —

- यह क्रिया 'ग्लोमेरुलस' में संपन्न होती है, प्रत्येक मिनट में रक्त का 1 लीटर (इसमें 500 ml प्लाज्मा रहता है) इनसे होकर बहता है।
- उपर्युक्त 1 लीटर में लगभग 100 ml (10%) भाग छनता है।
- अभिवाही धमनिका का व्यास, अपवाही धमनिका से अधिक होने के कारण रक्त का दबाव बढ़ जाता है, जिसके फलस्वरूप छनने की क्रिया इसी उच्च दाब पर संपन्न होती है इस क्रिया को Ultrafiltration से ग्लोमेरुलस द्वारा जल, ग्लूकोज, खनिज लवण आदि छान लिया जाता है।
- छने हुए द्रव को निस्पंद (Filtrate) कहा जाता है।
- निस्पंद बोमेन कैप्सूल की गुहा में एकत्रित होता है, तथा यहाँ से नेफ्रॉन की नलिका में चला जाता है।

(ii) पुनरावशोषण (Reabsorption) —

- नेफ्रॉन की विभिन्न नलिकाओं से गुजरते वस्तु निस्पंद में उपस्थित अनेक लाभदायक तत्वों को नलिकाओं के चारों ओर मौजूद रुधिर कोशिकाओं द्वारा पुनः सोखकर (Absorbed) रुधिर परिसंचरण में लौट दिया जाता है, इसी क्रिया को पुनरावशोषण (Reabsorption) कहते हैं।
- निस्पंद से अधिकांश जल का पोषण परासरण (Osmosis) द्वारा होता है।

डायलिसिस (Dialysis)

निस्पंदन के कारण रुधिर के बहुत अधिक लाभदायक पदार्थ भी छान लिए जाते हैं, परंतु अगले चरण में ये लाभदायक पदार्थ पुनः रुधिर में मिल जाते हैं। इस प्रकार के चयनात्मक निस्पंदन (Selective Filtration) को 'डायलिसिस' (Dialysis) कहते हैं।

- जब छनित द्रव दूरस्थ कुंडलित भाग में पहुँचता है, तब इसे मूत्र (urine) कहते हैं।
- वृक्क अवाष्पशील (nonvolatile) पदार्थों का निष्कासन करता है।
- वृक्क रुधिर में pH का नियंत्रण करता है pH = हाइड्रोजन आयन की सांद्रता।

- वृक्क बाहरी पदार्थ, जैसे दवाइयों, विष इत्यादि का भी निष्कासन करता है।
- वृक्क रुधिर के परासरणी दाब (osmotic pressure) तथा उसकी मात्रा का नियंत्रण करता है।

यूरिया का निर्माण —

- यूरिया का संश्लेषण यकृत कोशिकाओं में होता है।
- सर्वप्रथम क्रेब्स (Krebs) एवं हन्सीलेट (Henseleit) ने यह बताया कि यूरिया का निर्माण जटिल रासायनिक क्रियाओं के एक चक्र द्वारा यकृत में संपन्न होता है तथा इसमें ऑर्निथिन की मुख्य भूमिका होती है।
- इस चक्र का नाम ऑर्निथिन चक्र (ornithine cycle) पड़ा।
- इन वैज्ञानिकों ने अपना प्रयोग स्तनधारी जंतुओं पर किया था।
- यूरिया ऐमीनो अम्ल से बनता है।
- यूरिया की सामान्य मात्रा 30 mg तथा 2-3 mg यूरिक अम्ल 100L रुधिर में विद्यमान होता है।
- 1.5-2.0g यूरिक अम्ल मूत्र के साथ प्रतिदिन निकलता है।
- इस प्रक्रम में ऊर्जा उपपुक्त होती है।
- मूत्र (Urine) साधारणतः हल्के पीले रंग का अम्लीय (Av. pH 6.0, परिसर = 4.5-8.2) तरल पदार्थ है।
- इसमें एक विशेष प्रकार का गंध होता है जिससे आसानी से इसे पहचाना जा सकता है।
- इसका विशिष्ट घनत्व (sp. gravity) 1.015 - 1.025 होता है।
- एक स्वस्थ वयस्क मनुष्य प्रतिदिन 1.5L मूत्र-त्याग करता है।
- मूत्र में साधारणतः 95% जल तथा ठोस 5% (यूरिया 2%) एवं अन्य पदार्थ 30% रहता है।
- मूत्र का पीला रंग इसमें स्थित रंजक यूरोक्रोम (urochrome) के कारण होता है।
- मूत्र के बनावट में अप्रयोजनीय पदार्थों के मौजूदगी के कारण वृक्क का सामान्य कार्य बाधित होता है।
- ये पदार्थ हैं—ग्लूकोज, एल्ब्यूमेन, रुधिर कणिकाएँ आदि।
- कुछ असामान्य अवस्थाएँ (abnormal conditions) निम्नलिखित हैं —
- (i) ग्लाइकोसूरिया (Glycosuria) — मूत्र में ग्लूकोज की ज्यादा मात्रा हाइपीटीज मेलिटसज (diabetes mellitus) बीमारी में पाई जाती है।
- (ii) यूरेमिया (Uraemia) — मूत्र में ज्यादा मात्रा में यूरिया विद्यमान रहता है।
- (iii) हेमाटूरिया (Haematuria) — मूत्र में रुधिर कोशिकाओं की उपस्थिति।
- (iv) एल्ब्यूमिन्यूरिया (Albuminuria) — नेफ्राइटिस (nephritis) बीमारी में मूत्र में एल्ब्यूमिन पाया जाता है।
- (v) हीमोग्लोबिन्यूरिया (Haemoglobiuria) — मूत्र में हीमोग्लोबिन पाया जाता है।

ड्यूरिसिस (Diuresis) —

- मूत्रस्राव की मात्रा बढ़ जाने को ड्यूरिसिस कहते हैं।
- जो पदार्थ इसको क्रियान्वित करते हैं उनको ड्यूरिटिक (diuretic) कहते हैं।
- यूरिया ड्यूरिटिक है, यह मूत्रस्राव को काफी प्रभावित करता है।
- मूत्रस्राव की दर का सीधा अनुपात रुधिर में यूरिया की मात्रा पर है।
- ग्लूकोज भी ड्यूरिटिक है।
- कुछ दवाइयों, जैसे कैफीन (caffeine) भी, ड्यूरिटिक है।

परासरण-नियंत्रण (Osmoregulation) —

- शरीर के अंतः कोशिकीय द्रव एवं बाह्य कोशिकीय द्रव (रुधिर) के बीच संतुलन स्थापन करने को परासरण-नियंत्रण कहते हैं।
- रुधिर का परासरण दाब का नियंत्रण वृक्क द्वारा होता है।
- जब तन्तु के शरीर में अधिक जल हो जाता है तब इसे हाइपोटोनिक (hypotonic) मूत्र त्याग करना चाहिए तथा इसके विपरीत यदि शरीर में जल-संरक्षण करना जरूरी है तब इसे हाइपरटोनिक (hypertonic) मूत्र त्याग करना चाहिए जिसे शरीर से कम जल निकल जाए।

- इस तरह रुधिर का परासरण सांद्रता का नियंत्रण किया जा सकता है।
- उदाहरणस्वरूप, मृदुजलीय मछलियों के शरीर के अंदर इनका मुख एवं बाह्य सतह से जल का अत्यधिक प्रवेश होता है।
- अतः ऐसे जंतुओं को अपने शरीर में अधिक की मात्रा को बाहर निकलना इससे कुछ लवण का पुनरावशोषण हो जाता है।
- इसके फलस्वरूप फिल्ट्रेट रुधिर से भी पतला हो जाता है एवं मूत्र हाइपोटोनिक होकर बाहर निकलता है।
- इसके विपरीत जब शरीर में जल-संरक्षण की विशेष जरूरत है (जैसे कुछ स्थलीय या समुद्री जंतुओं एवं स्तनी में) तब आइसोटोनिक ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेट से वृक्क-नलिकाओं में अधिक जल का अवशोषण हो जाता है एवं उससे बहुत कम मात्रा लवणों का अवशोषण होता है।
- इससे मूत्र रुधिर से ज्यादा गाढ़ा अर्थात् हाइपरटोनिक होकर बाहर निकल जाता है।
- मूत्र-सांद्रता का विपरीतधारा सिद्धांत (countercurrent theory of urine concentration) के अनुसार वृक्क-नलिकाओं तथा वृक्क में मौजूद वासारेक्टो (vasa rectae) रुधिर वाहिनियों द्वारा मूत्र गाढ़ा हो जाता है।
- जानते हैं कि अवशोषण की क्रिया परच पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा स्रावित **वेसोप्रेसिन (vasopressin)** या **एंटीड्युरेटिक हार्मोन (antidiuretic hormone, ADH)** से नियंत्रित होती है।
- यह हार्मोन दूरस्थ संग्राहक नलिका एवं संग्राहक नली के पारगम्यता को नियंत्रित करता है।
- जब शरीर में जल की मात्रा जरूरत से ज्यादा रहती है तब दूरस्थ कुंडलित नलिका, संग्राहक नलिका एवं संग्राहक नली के दीवार जल के लिए अपारगम्य हो जाता है, क्योंकि इस अवस्था में ADH स्रावित नहीं होता है।
- इसलिए जल का पुनरावशोषण नहीं होता है एवं इन नलिकाओं में Na^+ का सक्रिय अवशोषण होते रहता है।
- इससे फिल्ट्रेट क्रमशः पतला होते रहता है एवं अंत में हाइपोटोनिक मूत्र बाहर निकलता है।
- इसके विपरीत जब शरीर से जल की मात्रा कम नहीं होनी चाहिए तब परच पिट्यूटरी से ADH हार्मोन स्रावित होता है।
- इस समय दूरस्थ कुंडलित नलिका, संग्राहक नलिका एवं संग्राहक नली (duct) के दीवार जल के लिए पारगम्य हो जाता है तथा Na^+ तथा यूरिया की मौजूदगी में अंतराली उत्तकों हाइपरटोनिक हो जाता है।
- इस कारण दूरस्थ कुंडलित नलिका, संग्राहक नलिका एवं संग्राहक नली से उत्तकों में जल का क्रमशः अवशोषण होते रहता है एवं फिल्ट्रेट संग्राहक नली (collecting duct) में गाढ़ा हो जाता है एवं हाइपरटोनिक मूत्र शरीर से बाहर निकलता है।
- इस तरह वृक्क शरीर के उत्सर्जन के साथ-साथ शरीर के प्रयोजन के अनुसार मूत्र को हाइपोटोनिक या हाइपरटोनिक बनाकर जल तथा लवणों की मात्रा का नियंत्रण करता है, अर्थात् परासरण नियंत्रण में विशेष भाग लेता है।

विभिन्न जंतुओं में उत्सर्जन

जंतु	उत्सर्जन
1. एक-कोशिकीय जंतु	विसरण द्वारा।
2. सीलेन्ट्रेस	सीधे कोशिकाओं द्वारा।
3. चपटे कृमि	ज्वाला कोशिकाओं द्वारा।
4. एनेलिडा संघ के जंतु	वृक्क के द्वारा।
5. आर्थोपोड्स	माल्फोर्गियन नलिकाओं द्वारा।
6. मोलस्का जंतु	मूत्र अंग द्वारा।
7. कशेरुकी जंतु	वृक्क द्वारा।

उत्सर्जन तंत्र : महत्वपूर्ण तथ्य एक नजर में (Excretory System : Important facts at a glance)

- वृक्कों द्वारा रुधिर के संगठन के नियंत्रण को संतुलित करने की जैसी क्रियाएं को क्या कहा जाता है — **रैग्योमोटिस**
- पक्षियों में यूरिक अम्ल द्वारा उत्सर्जन किसके लिए सहायक होता है — शरीर में जल के संरक्षण के लिए
- मूत्र को रखने पर उसमें से तीखी गंध आने का क्या कारण होता है — यूरिया का बैक्टीरिया द्वारा अमोनिया में बदल जाना
- पसीने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य क्या होता है — शरीर के ताप का नियंत्रण
- सबसे कम विपैला विसर्जित पदार्थ कौन सा होता है — यूरिक अम्ल
- मानव में किस प्रकार का उत्सर्जन पाया जाता है — यूरियोटिक
- सर्वप्रमुख मानव उत्सर्जन अंग है — वृक्क (गुदा)
- यकृत (Liver) उत्सर्जन में किस प्रकार मदद पहुंचाता है — अमोनिया को यूरिया में बदलकर
- वृक्क जिस झिल्ली से घिरा होता है, वह क्या कहलाती है — पेरिटोनियम
- वृक्क में कौन सी नलिकाएं पायी जाती हैं — मूत्र नलिकाएं (नेफ्रान)
- मूत्रवाहिनियां कहां से निकलती हैं — वृक्क से
- स्तनियों में वृक्क (Kidneys) का कार्य क्या उत्सर्जित करना है — यूरिया, अधिक जल तथा अधिक लवण
- 'अलवण जलीय मीनों' में किस प्रकार का उत्सर्जित पदार्थ पाया जाता है — अमोनिया
- मेढक के मूत्र में कौन सा मुख्य उत्सर्जित पदार्थ पाया जाता है — यूरिया
- वृक्क जब काम करना बन्द कर देती है, तो मनुष्य के रक्त में विषाक्त तत्वों को पृथक् करने के लिए कौन सी विधि काम में लायी जाती है — डायलिसिस
- यूरिया की सबसे कम मात्रा किसमें पायी जाती है — हिपेटिक शिरा में
- यूरिया की सबसे अधिक मात्रा किसमें पायी जाती है — रीनल शिरा में
- 'हेन्ले का लूप' का कार्य किससे संबंधित है — उत्सर्जन तंत्र में
- अमोनिया का यूरिया में परिवर्तन कहां होता है — यकृत में
- ग्लोमेरुलस से निकले द्रव में किस प्रकार का रुधिर पाया जाता है — कोशिकाओं तथा प्रोटीन रहित रुधिर
- वृक्कों के अतिरिक्त उत्सर्जन के लिए सहायक अंग कौन सा है — यकृत
- 'कोशिका गुच्छीय फिल्टरन, पुनः अवशोषण तथा नलिका स्रावण' वह क्रिया किससे संबंध रखती है — वृक्क से
- जब मूत्र में जल एवं सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, तो इसे क्या कहते हैं — एडिसन रोग
- शरीर में जल-संतुलन की क्रिया क्या कहलाती है — ऑस्मोरेग्यूलेशन
- ऑस्मोरेग्यूलेशन का काम शरीर में किसके द्वारा किया जाता है — वृक्क
- मूत्र में पाया जाने वाला वर्णक (Pigment) है — यूरोक्रोम
- मूत्र निर्माण के दौरान अतिसूक्ष्म छनन (Ultra-filtration) की क्रिया कहां होती है — योमन सम्पुट में
- मूत्र को खुला छोड़ देने पर उसमें उपस्थित यूरिया किस पदार्थ में अपघटित होकर तीव्र गंध उत्पन्न कर देता है — अमोनिया
- मानव वृक्क अशमरी में पाया जाने वाला प्रमुख रासायनिक यौगिक है — कैल्सियम ऑक्जलेट
- मूत्राशय का क्या कार्य होता है — मूत्र एकत्रीकरण
- मूत्राशय कहां स्थित होता है — उदरगुहा में
- यकृत कोशिकाओं में ऑक्सोडेटिव डीएमिनेशन की क्रिया कहां होती है — माइटोकॉण्ड्रिया में
- यकृत में अंदर अमोनिया से यूरिया के निर्माण की प्रक्रिया किस चक्र द्वारा पूरी होती है — आनिधीन-आर्जीनिन चक्र

- मूत्र में जल की लगभग कितनी मात्रा होती है —95%
- फेफड़े द्वारा किस उत्सर्जी पदार्थ का उत्सर्जन होता है — CO_2 , जल
- यूरीमिया की स्थिति में रोग को किस प्रकार उपचार द्वारा उपचारित किया जाता है —हीमोडायलिसिस

प्रजनन तंत्र (Reproductive System)

- गर्भाशय में विकसित हो रहे भ्रूण को किस संरचना द्वारा पोषण मिलता है —प्लेसेन्टा द्वारा
- यदि माता का रक्त समूह 'A' है तथा पिता का 'B', तो संतान कौन सा रक्त समूह का हो सकता है —A, B तथा O तथा AB कोई भी
- यदि बच्चे में XY गुणसूत्र हों तो कौन सा शिशु पैदा होगा —लड़का
- क्या व्हेल मछली बच्चे देती है —हां
- धैले वाले स्तनी को क्या कहा जाता है —बीवीपेरस
- बिना निषेचन के अण्डे का विकास क्या कहलाता है —अनिषेक जनन
- बिना निषेचन के प्रजनन की शक्ति रखने वाले किसी एक जीव का नाम बताइये —मधुमक्खी
- गर्भ में शिशु की वृद्धि को किस प्रकार ज्ञात किया जा सकता है —पराध्वनि (Ultrasound) द्वारा
- स्त्रियों में ऋतुस्राव कितने वर्ष के बाद बन्द हो जाता है —लगभग 45 से 50 वर्ष के बाद
- एम्नियोसेन्टेसिस (Amniocentesis) द्वारा किसका परीक्षण किया जाता है —गर्भ में शिशु की पहचान
- एक निषेचित अण्डे का दो खण्डों में विभाजन होने पर तथा दोनों भाग के अलग हो जाने पर किस प्रकार के बच्चे पैदा होते हैं —समान तथा जुड़वा बच्चे
- गर्भवती स्त्रियों में सामान्य ब्लड ग्रुप की जांच के अलावा रक्त में एक और तत्व की जांच की जाती है, जो बहुत आवश्यक होती है; इसे क्या कहा जाता है —Rh कारक
- भ्रूण विज्ञान को आगे बढ़ाने वाले वैज्ञानिक कौन है —पी० महेस्वरी

शुक्राणु एवं अंडाणु में अंतर

शुक्राणु (Sperm)	अंडाणु (Ovum)
<ul style="list-style-type: none"> • नर जननांग में बनता है। • चल युग्मक है। • आकार में अपेक्षाकृत छोटा होता है। • काफी संख्या में बनता है। 	<ul style="list-style-type: none"> • मादा जननांग में बनता है। • अचल युग्मक है। • अपेक्षाकृत बड़े आकार का होता है। • सामान्यतया एक का ही निर्माण होता है।

- मुख द्वारा लेने वाला गर्भनिरोधक किसका निरोध करते हैं —अण्डोत्सर्जन का
- युग्मकों का निर्माण किस जनन प्रक्रिया में होता है —लैंगिक
- मनुष्य में वृषण (Testes) की संख्या होती है —2
- शुक्राणुओं का परिपक्वन एवं संग्रहण कहाँ होता है —अधिवृषण
- भ्रूण (Embryo) में किस समय तक तीन जननिक स्तरों का निर्माण हो जाता है —पाँचवें सप्ताह तक
- वीर्य की विशिष्ट गंध किस ग्रंथि द्वारा स्रावित द्रव के कारण होती है —प्रोस्टेट ग्रंथि
- अंडाशय कहाँ स्थित होते हैं —उदर गुहा में
- मनुष्य में किस प्रकार का निषेचन पाया जाता है —अंतःनिषेचन
- पीत पिंड कहाँ पायी जाने वाली कोशिकाओं की संहति है —अण्डाशय
- किसी द्विलिंगी फूल में यदि पुमंग एवं जायांग विभिन्न समय पर व्यस्क बनते हैं, तो यह प्रक्रिया कहलाती है —डिकोगेमी
- स्तनधारी, मुर्गी एवं छिपकली में से किसमें अभिभावकीय रक्ष नहीं पायी जाती है —छिपकली में

- धक्कों से रक्षा करने में कौन सा द्रव मदद करता है —एम्नियोटिक द्रव
- लिंगी जनन में अलिंगी जनन की स्थानापन्नता को क्या कहा जाता है —एपोगेमिसिस
- स्तन कौन सा लिंगी लक्षण है —द्वितीयक
- एक स्तनी भ्रूण किस द्रव द्वारा चारों ओर से घिरी रहती है —एम्नियोटिक द्रव के द्वारा
- शशक, मेढक व अमीबा में से किसमें कार्यान्तरण होता है —मेढक में
- मनुष्य का गर्भ काल कितना होता है —लगभग 9 महीने (280 दिन)
- ब्लास्टोसील के बनने से भ्रूण क्या बन जाता है —ब्लैस्टोला
- स्तनियों में अंडों का निषेचन किस नलिका में होता है —फैलोपियन नलिका में
- हाथी में गर्भावधि का काल कितना होता है —लगभग 22 महीने (325 दिन)
- 'ग्रेफियन फॉलिकल' कहाँ पायी जाती है —स्तनी के अण्डाशय में
- शशक के शुक्राणु कहाँ संग्रहित तथा पोषित होते हैं —एपिडाइडिमिस में
- क्या 'पेंगुइन' में अण्डप्रजकता पायी जाती है —हां
- मादा स्तनियों में किसका भाग शेष एक समजात अंग होता है —शिरन का

चिकित्सा विज्ञान (महत्वपूर्ण तथ्य)

- 'चिकित्सा विज्ञान का जनक' (Father of Medical Science) माना गया है —हिप्पोक्रेटस (यूनानी थे)
- बीमारी, जो पागल कुत्ते के काटने से होती है —रेबीज
- रेबीज रोगी के उपचार के लिए रेबीज का टीका का आविष्कार —लुई पाश्चर ने किया
- 'आयुर्वेद का जनक' कहलाता है —चरक
- रोग जिस में विषाणु के संक्रमण के चलते सूजन आ जाता है और व्यक्ति बेहोश हो जाता है —इन्सिफेलाइटिस
- बीमारी, जिसमें मस्तिष्क के ऊपर की झिल्लियों में सूजन आ जाने से बुखार, कम दर्द तथा लकवा जैसे शिकायतें आ जाती हैं —मेनिंजाइटिस
- कृष्ठ रोग जिस प्रकार की बीमारी के तहत आता है —असंक्रामक
- जीवाणु जिसके संक्रमण से मोतीझरा नामक रोग होता है —सैल्मोनेला टाइफी
- धनुष्टंकार (Tetanus) से बचाव हेतु सुई लगती है —एटीएस
- डिप्थीरिया नामक बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं —बच्चे
- गर्भनिरोधक गोलीयों (Contraceptive Pills) का आविष्कारक है —पिनकस प्लेग बीमारी है —संक्रामक
- रेबीज नामक बीमारी का अन्य नाम है —हाइड्रोफोबिया
- हिपेटाइटिस-B जो कि एक संक्रामक रोग है, के उपचार हेतु लगाया जाता है —गामा ग्लोब्यूलिन इंजेक्शन
- शरीर का अंग, जो पोलियो नामक बीमारी में प्रभावित होता है —तंत्रिका तंत्र
- कैंसर बीमारी है —असंक्रामक

कारक तत्व (Causative Agent)	बीमारियाँ (Diseases)
जीवाणु (Bacteria)	डिप्थीरिया, गोनोरिया, मेनिंजाइटिस, हैजा, कुष्ठ, टायफॉइड, टिटेनस, टीबी (तपेदिक), प्लेग, कुकुराखांसी, न्यूमोनिया
विषाणु (Viruses)	चेचक, पॉक्स, स्मॉल पॉक्स, खसरा, गलसुआ, एड्स, पीत ज्वर, इन्फ्लूएंजा, डेंगू ज्वर, रेबीज, पोलियो
प्रोटोजोआ (Protozoans)	मलेरिया, स्लीपिंग, सिकनेस, कालाजार, लिसमेनिएसिस, अमीबिक पेचिस
कवक (Fungus)	एथलीड्स फुट, रिंगवर्म, मधुग फुट

- भारत में अंधेपन की सबसे बड़ी यजह है—मोतियाबिंद
- 'दुग्ध ज्वर'की कमी से होता है—कैल्शियम
- पेलग्रा (Pellagra), जो कि मानसिक रोग है, होता है —नियासिन (निकोटिनिक अम्ल) की कमी से
- हाइपोकाइंडिया से ग्रसित व्यक्ति पीड़ित रहता है—मानसिक रूप से
- शरीर का भाग जो मलेरिया में दुष्प्रभावित होता है—प्लीहा
- बीमारी जो एंजाइम की कमी से उत्पन्न होती है —एलबीनिज्म, फिनाइलकोटोनुरिया
- एलर्जी के उपचार हेतु प्रयुक्त होता है—एंटीहिस्टामिन
- स्केबीज में शरीर का जो भाग प्रभावित होता है—त्वचा

बीमारी (Diseases)	मानव शरीर का प्रभावित अंग (Affected Part)
एड्स	प्रतिरक्षण प्रणाली
आर्थरिटिस	संधियाँ (Joints)
दमा (Asthma)	ब्रॉन्किअल पेशियाँ
मोतियाबिंद, कंजक्टिविटिस	आँखें
ग्लूकोमा, ट्रैकोमा	आँखें
डायबीटिस (मधुमेह)	अग्न्याशय, रक्त
त्वचा रोग (Dermatitis)	त्वचा
डिप्थीरिया	गला
एक्जिमा	त्वचा
ग्वाइटर	थाइरॉयड
हिपेटाइटिस, पीलिया (Jaundice)	यकृत
मलेरिया	प्लीहा (Spleen)
मस्तिष्क रोग (Meningitis)	मेरुरज्जु एवं मस्तिष्क
ओटिटिस	कान
पक्षाघात (Paralysis)	तंत्रिका, पांख
पोलियो	तंत्रिका, पैर
पायरिया	दांत
फ्ल्यूरिसी	फेफड़े
रुमेटिज्म	संधियाँ
न्यूमोनिया	फेफड़े
सिनुसिटिस	चेहरे की हड्डियाँ
टायफॉयड	आंत
टी.बी. (तपेदिक)	फेफड़े
टॉसिलिटिस	टॉन्सिल (गले की हड्डियाँ)

- विषाक्तता की स्थिति में वमन करने (Vomiting) हेतु प्रयोग किया जाता है —इपेकाक
- प्रक्रिया, जिसके तहत तरंगों के माध्यम से गुर्दे के पत्थरों को खंडित कर दिया जाता है —लिथोट्रिप्सी
- अफ्रीकन निद्रा रोग अथवा गैम्बियेन्स रोग होता है —ट्रिपैनोसोम से
- रोग जिसे एंटीबायोटिक्स से ठीक नहीं किया जा सकता —खसरा (मीसल्स)
- बच्चों में ऑस्टियोमेलेशिया रोग होता है —विटामिन D की कमी से
- कॉन्स रोग जिसकी कमी से होता है —सोडियम और पोटेशियम
- 'डायजीपाम' का उपयोग किया जाता है —निरचेतक (एनास्थेसिक)
- के रूप में
- जिह्वा का फटना..... विटामिन की कमी से होने वाला रोग है —विटामिन B2
- शरीर का अंग जो मियादी बुखार में मुख्य रूप से प्रभावित होता है —आंत
- 'काक रोग' उप-नाम है —तपेदिक (क्षय रोग अथवा टीबी) का
- पीलिया रोग (Jaundice) में अधिकता हो जाती है —बिलिरुबिन की
- स्वस्थ मनुष्य का डायस्टोलिक प्रेशर होता है —80 mmHg

- कुष्ठ रोग (Leprosy) के जीवाणु की खोज की —हंसेन
- हृदय गति कम हो जाने पर इसे सामान्य अवस्था में लाने हेतु प्रयोग होता है —पेंम पंपर का
- विद्युत हृदयालेख (ECG) का उपयोग बीमारियों की पहचान हेतु किया जाता है —हृदय संबंधी
- 'फैट स्कैनर' उपकरण का आविष्कार किया —डॉ० हाउसफील्ड, डॉ० कार्गक
- रेडियो समस्थानिकों का प्रयोग किया जाता है —पेट (PET) क्रमवीक्षण
- गर्भ में पल रहे भ्रूण के विषय में जानकारी हेतु मदद ली जाती है —पराश्रव्यिक प्रतिबिम्बन (अल्ट्रासोनाग्राफी)
- एक्स-रे होता है —द्विआयामी
- कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफिक स्कैनर (CT-Scanner) विमीय फोटोग्राफ लेने की क्षमता रखता है —त्रिविमीय

टीका (Vaccine)	खोजकर्ता (Discoverer)
स्मॉल पॉक्स	एडवर्ड जेनर (1796)
हैजा (Cholera)	सुई पारचर (1880)
डिप्थीरिया एवं टिटनेस	एमिल एडोल्फवॉन बेलिंग तथा शिवसाबुरो कितसातो (1891)
टीबी (तपेदिक)	लिऑन कैल्मेटी एवं कैमिली ग्यूरिन (1922)
पोलियो	जोनासा ई० साल्क (1954)
खसरा	जॉन एफ. इन्डर्स

- किस तकनीक द्वारा कत्तकों के उपापचय का अध्ययन किया जाता है —एन्निओमिटिसिस
- जार्विक-7 है —कृत्रिम हृदय
- मच्छर, जो मलेरिया रोग फैलाते हैं —एनोफिलीज मच्छर
- मच्छरों में मलेरिया परजीवी के जीवन चक्र को एनोफिलीज मच्छरों में सर्वप्रथम खोजा था —रोनाल्ड रॉस ने
- मलेरिया प्रकार का रोग है —संक्रामक
- चेचक, हैजा एवं मलेरिया में से टीका अभी तक नहीं निकाला गया है —मलेरिया का
- 'अफ्रीकी निद्रा रोग' का कारण है —ट्रिपैनोसोमा गैम्बियेन्स
- 'दमा' कहलाता है —श्वास रोग
- 'दमा रोग' होने का कारण होता है —प्लूरल गुहा में रुधिर या जल भर जाना
- 'पोलियो वायरस' का संक्रमण होता है —जल तथा खाद्य के प्रदूषण द्वारा
- WHO ने भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया है ।
- 'कालाजार रोग' के रोगाणु को जाना जाता है —लेशमानिया के नाम से
- डिप्थीरिया रोग का संबंध शरीर के जिस अंग से है —कण्ठ से
- खुले भोजन पदार्थ न खाना' लिए आवश्यक है —बचने के
- फाइलेरियेसिस (फील पांख) रोग का वाहक है —क्यूलेक्स
- निद्रा रोग का वाहक है —सी.सी. मक्खी
- मनुष्य पोलियो का शिकार होता है —वायरस से
- पीलिया (Jaundice) रोग का संबंध शरीर के जिस अंग से होता है —यकृत से
- रिंग वर्म या दाद की बीमारी होती है —वायरस द्वारा

मानव रोग (Human Disease)	कारक कवक (Causative Fungus)
सिफलिस (Syphilis)	ट्रेपोनीमा पैलिडियम
दाद (Ringworm)	माइक्रोस्पोरम कैनिस
एस्पेर्जिलोसिस (Aspergillosis)	एस्पेर्जिलस फ्लेवस

मानव रोग (Human Disease)	कारक कवक (Causative Fungus)
मोनिलिएसिस (Moniliasis) छाले (Rashes/Thrush) एथलीट फुट (Athlete's Foot) परागज ज्वर (Hay Fever) क्रिप्टोकोकसता (Cryptococcosis)	कैंडिडा एल्बिकेन्स मोनीलिया एवं एस्पेरजिलस नाइजर ट्राइकोफाटोनी कुल के सदस्य अल्टरनेरिया क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मिस

- दम घुटना लक्षण है — डिपथीरिया रोग का
- माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस जीवाणु से जो रोग उत्पन्न होता है — क्षय रोग
- श्वास में अधिक मात्रा में मैंगनीज चले जाने पर हो सकता है — न्यूमोनिया
- गृह मक्खी से होने वाले तीन रोगों के नाम बताइये — टाइफॉइड, पेचिसा एवं हैजा
- क्षय रोग है — संक्रामक
- प्लेग रोग फैलता है — चूहों के कारण
- रतौंधी रोग जिस विटामिन की कमी के कारण होता है — विटामिन 'ए' की
- पोलियो के टीके के अतिरिक्त आजकल बच्चों को मुंह में जो टीका दिया जाता है, उसे कहा जाता है — सेबीन वैक्सीन
- खसरा रोग फैलता है — वायरस द्वारा
- रोग, जो रोगी को एक बार हो जाने के बाद पुनः आक्रमण नहीं करता है — चिकन पॉक्स
- हाथी पग रोग (एलिफेंटासिस) को अन्य नाम से जाना जाता है — वाउचेरिया (फाइलेरिया)
- इन्फ्लुएंजा रोग फैलता है — वायरस से
- जीवाणुओं से फैलने वाले तीन रोग हैं — हैजा, प्लेग एवं क्षय
- रोग, जिसका उन्मूलन (Eradication) हो चुका है — चेचक

प्रमुख चिकित्सा उपकरण

- **पेसमेकर** : हृदयगति कम हो जाने पर इसे सामान्य अवस्था में लाने हेतु इसका प्रयोग किया जाता है।
- **सिटो स्कैन** : संपूर्ण शरीर में किसी असामान्य स्थिति या विकृति का पता लगाने हेतु प्रयोग किया जाता है।
- **इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ (ECG)** : हृदय संबंधी असामान्यताओं का पता लगाने हेतु प्रयुक्त जांच।
- **ऑटो एनालाइजर (Auto Analyser)** : ग्लूकोज, यूरिया, कोलेस्टेरॉल आदि की जांच करने में प्रयुक्त।
- **इलेक्ट्रोइन्सेफेलोग्राफ (EEG)** : मस्तिष्क की विकृतियों का पता लगाने में प्रयुक्त।

- अकौता या दाद के कारण होता है — शैवाल
- 'एथलीट्स फुट' नामक बीमारी होती है — फंगस द्वारा
- मियादी बुखार (Typhoid) में शरीर का जो अंग प्रभावित होता है — आंत
- एच०आई०वी० कहलाता है — जैव वायरस
- वायरस जो उबालने पर नष्ट नहीं किया जा सकता है — एच०आई०वी० वायरस को
- ट्रकोमा रोग फैलता है — वायरस के द्वारा
- यदि वृक्कों में मूत्र निर्माण क्रिया न हो तो उत्पन्न होता है — एन्यूरिया रोग
- 'टायफॉइड' में साधारणतः दी जाने वाली दवा है — क्लोरोफॉर्म
- 'एस्कैरिस' पाया जाता है — मनुष्य की आंत में
- 'ल्यूकेमिया' है — कैंसर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम (National Health Programme)

कार्यक्रम का नाम (Name of the Programme)	प्रारंभ होने का वर्ष (Year of Launching)
• राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP)	1983 (अलमा-अता घोषणा, 1978)
• सार्वजनिक प्रतिरक्षण योजना (U.I.P.)	1985
• सार्वजनिक कुष्ठ निवारण योजना (NLEP)	1983
• सार्वजनिक भेषा नियंत्रण कार्यक्रम (NGCP)	1962
• एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (ACP)	1989
• राष्ट्रीय परिदृश्यात्मक योजना (NPP)	1982
• राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (NMEP)	1953
• शहरी मलेरिया योजना (UMP)	1971
• राष्ट्रीय फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम (NFCP)	1955
• राष्ट्रीय दृश्यहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)	1976
• राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP)	1962
• परिवार कल्याण कार्यक्रम (FWP)	1951
• राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम (NCCP)	1975
• राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (NACP)	1992
• राष्ट्रीय औषधि नीति (NMP)	1986
• राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP)	1982

- 'ल्यूकेमिया' रोग के परीक्षण के लिए एक्स-रे का कोई उपयोग नहीं है — नहीं
- कैंसर संबंधित है — ऊतकों की अनियंत्रित वृद्धि से
- डायबिटीज रोग से ग्रस्त व्यक्ति के मूत्र में पाया जाता है — शर्करा
- प्रत्युर्जता (Allergy) होने का कारण है — एंटीजन-एंटीबॉडी अभिक्रिया के कारण
- सर्प के काटने से मृत्यु होने का कारण है — लाल रुधिराणुओं का नष्ट होना एवं तंत्रिका का कार्य न करना
- नाक से रुधिर का बहना कहलाता है — एपीटेक्सिस
- नाभिकीय विकिरण से शरीर का जो अंग सबसे पहले प्रभावित होगा — अस्थि मज्जा
- डायबिटीज के रोगी के शरीर का जो अंग सही ढंग से कार्य नहीं करता है — अग्नाशय
- मधुमेह रोग को नियंत्रित करने के लिए इन्जेक्शन लगाया जाता है — इन्सुलिन
- थ्रोम्बोसिस रोग से रक्त पर प्रभाव पड़ता है — रक्त जम जाता है
- जोड़ों का दर्द (आर्थीटिस) होने का कारण है — कोलेस्टेरॉल के जमा हो जाने के कारण
- शरीर में कोलेस्टेरॉल की मात्रा कम करने के लिए उपयोग किया जाता है — लहसुन का
- जरा दूर दृष्टि रोग होती है — वृद्धावस्था में

प्रमुख टीके व उनसे संबंधित रोग

टीके के नाम	उपयोग
बी.सी.जी. (B.C.G.)	T.B.
कोलरा वैक्सीन (Cholera Vaccine)	कोलरा (हैजा)
मम्प्स वैक्सीन (एम.एम.आर.)	मम्प्स, खसरा, पोलियो
रूबेला वैक्सीन (Rubella Vaccine)	छोटी माता, जर्मन खसरा
रूबियोला वैक्सीन (Rubeolla Vaccine)	खसरा
टीटानोक्सोइड (T.T.) (Tetanustoxoid)	टिटेनस (Tetanus)
टाइफॉइड वैक्सीन (Typhoid Vaccine)	टाइफॉइड
डी.पी.टी. (D.P.T.)	डिप्थीरिया, काली कुकुर खांसी एवं टिटेनस

चिकित्सा विज्ञान संबंधी खोजें

खोज	आविष्कारक
रक्त ट्रांसफ्यूजन	कार्ल लैण्डस्टीनर एवं जेम्स हैरिसन
इन्सुलिन	एफ० बैटिंग
हेजे का टीका	रॉबर्ट कोच
टी.बी. के कीटाणु	रॉबर्ट कोच
मलेरिया के कीटाणु	रोनाल्ड रॉस
टाइफॉइड के कीटाणु	इवर्थ
पेचिस एवं प्लेग के कीटाणु	कियाजारी
चेचक का टीका	एडवर्ड जेनर
बी.सी.जी. का टीका	कालमेट ग्यूरिन
कालाजार बुखार की चिकित्सा	यू.एन. ब्रह्मचारी
कृत्रिम हृदय परिवर्तन	क्रिस्टियन बर्नाड
बेरी-बेरी रोग की चिकित्सा	आइजक मैन
डी.डी.टी.	डॉ० पॉल मूलर
अल्ट्रा-वायलेट किरणों से चिकित्सा	पिनमेन
जेनेटिक कोड	डॉ० हरगोविन्द खुराना
हाइड्रोफोबिया का इलाज	लुई पारचर
सल्फा ड्रग्स	जी. डोमॉक
पोलियो का टीका	जोन्स साल्क
रक्त परिवहन	विलियम हार्वे
बैक्टीरिया	ल्यूवेनहॉक
होम्योपैथी चिकित्सा	हेनिमेन
एण्टोसेप्टिक सर्जरी	जोसफ लिस्टर
क्लोरोफार्म	जेम्स हैरिसन
स्टेथेस्कोप	लेनक
पेनिसिलीन	एलेक्जेंडर फ्लेमिंग
एस्पिरिन	ट्रेजर
आयरन लॉस	फिलिप डिकर

- जिन बच्चों को सूर्य का प्रकाश नहीं मिलता, वह ग्रस्त हो जाते हैं —रिकेट्स रोग से
- विटामिन स्कर्वी रोग निवारण में काम आता है —एस्कॉर्विक अम्ल
- मसूड़ों से रुधिर आता हो, तो खाना चाहिए —नींबू एवं संतरे
- ग्वायटर रोग की कमी के कारण होता है —आयोडीन
- रिकेट्स तथा क्वाशिओकर रोगों को कहा जाता है —अभाव रोग
- बच्चों में क्रिटिनिज्म रोग की कमी के कारण होता है —थायरोक्सिन
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने से रोग होता है —एनीमिया
- बेरी-बेरी रोग होने का कारण है —भोजन में विटामिन 'बी' की कमी
- बेरी-बेरी रोग में हाथ एवं पैरों में क्रिया होती है —चेतनाशून्य हो जाती है और वे सूज जाते हैं
- खेसारी दाल खाने से रोग होता है —लेथाइज्म
- बी.सी.जी. का टीका नवजात शिशु को लगाया जाता है —जन्म के तुरन्त बाद
- पेनिसिलीन आता है —एन्टीबायोटिक के अंतर्गत
- तीन रोग जिनमें डी.पी.टी. का टीका लगाया जाता है —टिटनेस, डिप्थीरिया एवं हूपिंग कफ
- टीका लगने के बाद शरीर में निर्माण होता है —एन्टीबॉडीज का
- 'हाइपोकॉनिट्रिएसिस' का अर्थ है —स्वास्थ्य के बारे में अत्यधिक चिंता
- मां का दूध शिशु के लिए लाभदायक होता है —इसमें एन्टीबॉडी होने के कारण
- एटीजन्स का मुख्य गुण होता है —एन्टीबॉडीज का निर्माण करना
- एन्टीबॉडीज का निर्माण होता है —लिम्फोसाइट्स से
- बी.सी.जी. का अर्थ है —बैसिलस कैलेमिटि ग्यूरिन

- एन्टीबॉडीज होते हैं —एक प्रकार की रक्त प्रोटीन
- मानव शरीर को इन्फेक्शनों से बचाने का कार्य करता है —श्वेत रक्त कोशिकाएं
- स्ट्रलाइजेशन के लिए उपयोग में लाया जाता है —ऑटोक्लेव
- मलेरिया के लिए महत्वपूर्ण द्रव 'कुनेन' निकाला जाता है —सिनकोना की छाल से
- रक्त में एन्टीबॉडी एवं एन्टीजन का अध्ययन कहलाता है —सीरोलॉजी
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का मुख्यालय स्थित है —जेनेवा में
- मलेरिया दिवस मनाया जाता है —20 अगस्त को
- पोलियो के टीके की खोज करने वाले वैज्ञानिक 'जोन्स साल्क' वैज्ञानिक थे —फ्रांस के

पारिस्थितिकी (Ecology)

- इकोलॉजी शब्द की उत्पत्ति हुई है —ओइकोस + लॉगस (ग्रीक भाषा)
- विज्ञान, जिसमें जीवों के विभिन्न वास-स्थानों एवं वातावरण का अध्ययन किया जाता है —पारिस्थितिकी (Ecology)
- जीवधारियों एवं उनके वातावरण के बीच अंतर्अभिक्रिया के अध्ययन को कहते हैं —पारिस्थितिकी
- इकोसिस्टम को 'खाद्य शृंखला' का सही क्रम कौन सा है —पौधे, शाकाहारी, मांसाहारी एवं अपघटक
- मृदा संरक्षण किस प्रकार की क्रिया है —मृदा को हानि होने से बचाने की
- लकड़ी की पायरोलाइसिस से क्या उत्पन्न होता है —चारकोल, गैस एवं तेल
- पारितंत्र ऊर्जा का प्राथमिक या मुख्य स्रोत क्या होता है —सूर्य का प्रकाश (सौर ऊर्जा)
- वनों को नष्ट करने की चेतावनी भरा प्रभाव किस पर पड़ता है —मृदा अपरदन पर
- मृदा अपरदन को किसके द्वारा बचाया जा सकता है —वनारोपण द्वारा
- पृथ्वी के वायुमण्डल में ओजोन की उपस्थिति पृथ्वी के लिए किस प्रकार से सहायक है —पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी के भीतर प्रवेश करने से रोकने के लिए
- संसार का सर्वाधिक प्रसिद्ध पेस्टीसाइड क्या है —डी.डी.टी.
- मरुस्थलभवन किस कारण से होता है —वनों को उखाड़ने के कारण
- कार्सिनोजेन्स किनके लिए हानिकारक होते हैं —वनस्पतियों के लिए
- खाद्य शृंखला किनसे बनती है —उत्पादकों, उपभोक्ताओं एवं अपघटकों से
- किसी राष्ट्रीय पार्क में किसके लिए सुरक्षा प्रदान की जाती है —सम्पूर्ण पारितंत्र के लिए
- रणधम्मौर राष्ट्रीय उद्यान कहाँ स्थित है —राजस्थान में
- हरित गृह प्रभाव वायुमण्डल में किसकी उपस्थिति के कारण होता है —CO₂ स्तर की
- मोटर कार निर्वातक से उत्पन्न प्रदूषक, जो मानसिक रोग उत्पन्न करता है, क्या होता है —Pb (लेड)
- सौर विकिरण ऊर्जा का किस प्रकार का स्रोत है —अरूढ़िगत (गैर-पारंपरिक)
- क्या NO₂, SO₂ एवं हाइड्रोकार्बन्स वायु प्रदूषक होते हैं —हां
- जीवों में खाद्य कड़ी का उचित क्रम क्या है —घास, कीट, पक्षी एवं सर्प
- क्या नगरीकरण के कारण वनों के पुनर्जीवन को हानि हो रही है —हां
- 'चरना' किस प्रकार का प्रदूषण का उदाहरण है —निपेधात्मक प्रदूषण का
- MAB का क्या अर्थ है —मैन एण्ड बायोस्फीयर
- पश्चिमी घाटों तथा पूर्वी हिमालय में किस प्रकार के वन मिलते हैं —वर्षा वाले वन
- शंकुधारक कहाँ पाये जाते हैं —पूर्वी तथा पश्चिमी हिमालय में
- क्या SO₂ + NO₂ अम्लीय वर्षा का कारण है —हां

- वायुमण्डल में संतुलन किसके द्वारा स्थापित होता है —उत्पादकों, उपभोक्ताओं एवं अपघटकों द्वारा
- क्या उष्ण आर्द्र वन क्षेत्र जैवविविधता में धनी है —हां
- पहाड़ियों पर खनिजों की हानि क्यों होती है —पट्टीदार खनन के कारण
- यदि पृथ्वी पर सभी कवक और जीवाणु न रहें, तो क्या प्रभाव पड़ेगा —मृत विघटनी पदार्थ की मात्रा बढ़ेगी
- वायु में जल की क्रिया द्वारा भूमि का कटाव क्या कहलाता है —अपरदन
- वनों में वर्षा होना अधिकतर किसके नियंत्रित करने में सहायक होता है —सूखा को
- सल्फर डाइऑक्साइड गैस किस प्रकार की प्रदूषक मानी जाती है —वायुमण्डलीय प्रदूषक
- किसके परस्पर संबंध से लाइकेन पादप वर्ग बनता है —कवक एवं शैवाल के
- वे जीवाणु जो दूसरे जीवाणुओं के अंदर या उनके शरीर पर रह कर उनसे अपना भोजन लेते हैं, क्या कहलाते हैं —परजीवी
- भारतवर्ष में प्रथम जीव संक्वैररी की स्थापना कहाँ हुई थी —असम में
- पेट्रोलियम किस प्रकार का स्रोत होता है —अ-पुनर्नवीनीकृत स्रोत
- दो अलग समुदायों के बीच की दीवार या मध्यस्थल को क्या कहते हैं —इकोटोन
- वर्गीकरण की इकाई क्या है —स्पीसीज
- लवणीय मिट्टी में उगने वाले पौधे को क्या कहते हैं —हैलोफाइट
- पीडोलाॅजी में किसका अध्ययन होता है —मृदाओं का
- जो भूमि जल द्वारा लाये गये एवं इसमें निलम्बित कणों द्वारा बनती है, क्या कहलाती है —क्ले
- लाइकेन्स तथा माँस किसका विश्वसनीय संकेतक प्रदूषक है —वायु का
- जल की वह मात्रा, जो किसी भूमि द्वारा गुरुत्व के खिंचाव के विपरीत धारण की जाती है, क्या कहलाती है —क्षेत्रीय धारिता
- पृथ्वी की सतह पर जल, वायु एवं भूमि सहित जीवों का मण्डल (Sphere) क्या कहलाता है —जीवमण्डल
- डॉ.डी.टी. किस प्रकार का प्रदूषक होता है —अजीव अपघटनीय प्रदूषक
- मानव द्वारा प्रयोग में लाया गया सबसे पहला पेस्टीसाइड क्या था —नीम की पत्तियाँ
- जीवाश्म ईंधन किस प्रकार का स्रोत होता है —पुनर्नवीनीकृत का नहीं है
- प्लास्टिक्स किस प्रदूषण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है —भूमि प्रदूषण के लिए

पशुपालन विज्ञान (Animal Husbandry)

- ओरिपिंगटन मुर्गी की नस्ल किसलिए अच्छी मानी जाती है —गोशत के लिए
- एक छत्ते में कितनी रानी मधुमक्खी होती है —एक
- कोरिडेल क्या है —भेड़ की एक नस्ल
- जाफरवादी भैंस किसलिए प्रसिद्ध है —अधिक औसत दूध देने के लिए
- मोती किससे निकाला जाता है —पिंकटेडा से
- कौन सी मछली पोषण की दृष्टि से सबसे उत्तम होती है —रोहू
- सारंग मधुमक्खियों से प्रति छत्ते प्रतिवर्ष कितना शहद मिलता है —40 किग्रा०
- भारत में कुल मछली उत्पादन का कितना प्रतिशत भाग समुद्र से आता है —60 प्रतिशत
- गहन पशु विकास कार्यक्रम किस योजना में आरंभ किया गया —तीसरी योजना में
- दूध के जीवाणु को कम करने के लिए कौन सी क्रिया की जाती है —पारचुराइजेशन

- मेरिनो किसकी प्रजाति है —भेड़ की
- मेरिनो ऊन के लिए ऑस्ट्रेलिया विश्व विख्यात है।
- एक किग्रा० शहद से औसत रूप में कितनी ऊर्जा प्राप्त होती है —3500 कैलोरी
- मछलियों में सबसे अधिक उत्पादन किस मछली का होता है —कतला मछली का
- भारत में सबसे अधिक बकरियाँ किस राज्य में पायी जाती हैं —राजस्थान में
- भूरी क्रांति किससे संबंधित है —उर्वारकों के उत्पादन में
- गाय का गर्भकाल कितने दिनों का होता है —280 दिनों का
- सारंग मधुमक्खियों को भारत में क्यों नहीं पाला जाता है —गुमकड़, चिड़चिड़ी स्वभाव एवं छेड़ने पर काट लेने के कारण
- बरमुल किसी नस्ल है तथा यह कहाँ पायी जाती है —गाय की (कोयम्बटूर में)
- जिस दूध में वसा रहित दोस की मात्रा शुद्ध दूध के बराबर होती है तथा वसा की मात्रा कम होती है, उस दूध को क्या कहा जाता है —टोन्ड मिल्क

अधिकतम जीवनकाल

समुद्री कछुआ	200 वर्ष	घोड़ा	65 वर्ष
तोता	200 वर्ष	बिल्ली	40 वर्ष
मनुष्य	100 वर्ष	व्हेल	40 वर्ष
ईगल	100 वर्ष	बन्दर	25 वर्ष
हाथी	90 वर्ष	कुत्ता	25 वर्ष

- गाय के दूध में औसततलन कितना पानी होता है —86 प्रतिशत
- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है —बंगलूर में
- पशुओं की उम्र का पता कैसे लगाया जाता है —दांत गिन कर अथवा सींग पर छल्ले गिन कर
- शहद में पानी की मात्रा लगभग कितने प्रतिशत होती है —17 प्रतिशत
- सबसे ज्यादा वसा किस भैंस के दूध में पायी जाती है —भदवारी भैंस
- मुर्गियों में चेचक रोग का क्या कारण होता है —वायरस
- किस जाति की मुर्गी के अंडे सबसे उत्तम होते हैं —लेगहार्न
- भारत में सबसे बड़ा पशु मेला कहाँ लगता है —हरिहरक्षेत्र (सोनपुर, बिहार)
- अफर रोग का क्या कारण है —प्रदूषित भोजन
- श्वेत क्रांति किसके उत्पादन के लिए जानी जाती है —दुग्ध उत्पादन के लिए
- किटोसिस रोग किस पशु में पाया जाता है —गाय
- किटोसिस रोग गायों में किस कारण से होता है —कार्बोहाइड्रेट की कमी के कारण
- मुर्गियों में संक्रामक कोराइजा रोग होने का कारण है —जीवाणु
- मत्स्य उत्पादन का संबंध किस क्रांति से है —नीली क्रांति से
- मछलियों का पंख एवं पूँछ का सड़न (Fin & Tail Rot) रोग किससे होता है —जीवाणुओं से
- मुर्गियों की सबसे खतरनाक बीमारी कौन सी है —एनीसेल
- मिल्क फीवर किस प्रकार के पशुओं में होता है —अधिक दूध देने वाले पशुओं में
- पशुओं एवं जंतुओं के दूध का रंग उजला होता है, क्योंकि उसमें उपस्थित होता है —लैक्टोज
- मुर्गियों की बीमारी मारेक (Marek) किसके द्वारा उत्पन्न होती है —विषाणु
- बकरी का मांस क्या कहलाता है —चेवन (Chevon)
- खुरपका-मुहपका रोग पशुओं में किसके कारण होता है —विषाणु

- केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है—अम्बिकापुर (राजस्थान)
- भारत में श्वेत क्रांति (White Revolution) लाने का श्रेय किसे जाता है—डॉ० वर्गाज कूरियन
- किस पशु के बाल को 'मोहेयर्स' के नाम से जाना जाता है—बकरी
- भारतीय डेयरी अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है—करनाल (हरियाणा)
- बकरी की किस नस्ल को 'जर्सी' भी कहा जाता है—बकरी
- सर्वाधिक दूध देने वाली गाय की नस्ल है—होलस्टीन फ्रीजियन
- किस नस्ल की बकरी को 'विश्व की दूध की रानी' कहते हैं—रानिन
- दुग्ध उत्पादन में भारत का विश्व में कौन सा स्थान है—प्रथम
- 'स्ट्रिप कप परीक्षण' किस पशु रोग से संबंधित है—धनैल
- ऊन उत्पादन हेतु सबसे अच्छी नस्ल की विदेशी भेड़ कौन सी है—मेरिनो

जीव विज्ञान : विविध तथ्य (Biology : Miscellaneous Facts)

- मिट्टी की लवणता दूर करने हेतु प्रयुक्त होता है—पायराइट एवं जिप्सम
- कवकनाशी के रूप में किसका प्रयोग होता है—बोर्डोएक्स मिश्रण
- विषाक्त गैस अथवा धुएँ की मदद से फसल की कीड़ों को मारने की प्रक्रिया कहलाती है—फ्यूमिगेशन
- जैव उर्वरक के रूप में किस फसल हेतु एजोला का प्रयोग किया जाता है—धान
- दलहनी फसलों में किसका उपयोग जैव उर्वरक के रूप में होता है—राइजोबियम
- कपास का मुख्य संपटक तत्व होता है—सेल्युलोज
- रेशम कीड़ों को किस पौधे पर पाला जाता है—शहतूत (मलबेरी)
- निम्न में से कौन भू-निर्माता (Soil Builder) कहलाता है—लाइकेन एवं मांस
- ईख की फसल को सर्वाधिक नुकसान किस रोग से होता है—पाइरिला
- कपास की फसल सबसे ज्यादा दुष्प्रभावित होती है—बॉल बीविल से
- अमेरिकन बॉल वर्म एवं हेलिओथिस किस फसल की बीमारियाँ हैं—कपास
- कपास के छोटे-छोटे रेशे कहलाते हैं—लिन
- कुक्कुटों में रानी खेत बीमारी किसके द्वारा होती है—विषाणु
- खैर रोग किस फसल से संबंधित है—धान
- रेड रॉट (लाल सड़न) बीमारी किससे संबंधित है—गन्ना
- तम्बाकू के मोजेइक रोग के लिए उत्तरदायी है—विशाणु (TMV)
- ज्वार पौधे के किस भाग में धूरिन (Dhurin) संश्लेषित होता है—पत्ती
- लौंग (Clove) को पौधे के किस भाग से प्राप्त किया जाता है—फूल की कली
- बिना मिट्टी के पौधों को उगाने की प्रक्रिया कहलाती है—हाइड्रोपोनिक्स
- टमाटर में क्या पाया जाता है—लाइकोपीन
- सर्वाधिक मंड (Starch) किस फसल में पाया जाता है—चावल
- गंगला रोग किससे संबंधित है—गेहूँ
- गेहूँ का कंडवा रोग किसके कारण होता है—फफूंदी
- किस तत्व की उपस्थिति के कारण भिचू में तीखापन पाया जाता है—कैप्सायसिन
- गुलाबी कीड़ा (Pink Boll Worm) किस फसल का प्रमुख शत्रु है—कपास
- शुष्क कृषि के तहत किसकी खेती की जाती है—मोटे अनाज
- मटर में मार्श रोग किस पोषक तत्व की कमी से होता है—मैंगनीज
- कपास के रेशे पौधे के किस भाग से प्राप्त होते हैं—फल
- 'अल्फान्सो' किस फल की प्रमुख प्रजाति है—आम

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चर रिसर्च (IIHR) कहाँ स्थित है—बंगलौर
- हरित बाली रोग किस फसल से संबंधित है—बाजरा
- पनामा रोग किससे संबंधित है—केला
- बेलाडोना नामक औषधि 'एट्रोपा बेलाडोना' नामक पौधे के किस भाग से प्राप्त होती है—पत्ती
- केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान कहाँ स्थित है—जोधपुर
- 'भूरी क्रांति' किससे संबंधित है—उर्वरक
- धान की बीमारी 'खैरा' किस पोषक तत्व की कमी से होती है—जस्ता
- बेल में किस पदार्थ के चलते कड़वाहट होती है—मार मेलॉसिन
- खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) का मुख्यालय कहाँ स्थित है—रोम (इटली)
- किस मृदा (Soil) का स्थानीय नाम 'रेगुड़' है—काली
- 'मृदा सुधारक' के नाम से कौन सा रसायन जाना जाता है—जिप्सम
- 'भारतीय हरित क्रांति के पितामह' कौन हैं—डॉ० स्वामीनाथन
- सिट्रस कैंकर क्या है—नींबू का एक रोग
- राष्ट्रीय मशरूम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र कहाँ पर स्थित है—चम्पाघाट, सोलन
- गेहूँ, चना एवं सोयाबीन में से कौन एक प्रोटीन का प्रचुर स्रोत है—सोयाबीन
- काग (Cork) बोटल के स्टॉपर (Stopper) बनाने के लिए सर्वाधिक उत्तम पदार्थ क्यों माना जाता है—वायुरुद्ध होने के कारण
- जूट एवं कपास में से कौन सी फसल भारत में बहुत बड़ा क्षेत्र घेरे हुए है—कपास
- भोजन तथा चारे का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत कौन सा है—धान
- तमिलनाडु राज्य में किसकी कृषि के लिए आदर्श जलवायु पायी जाती है—गन्ने की
- केंद्रीय गन्ना जनन शोध संस्थान कहाँ स्थित है—कोयम्बटूर में
- क्या भारत चाय के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है—हां
- चाय किस प्रकार के भूमि स्थलों पर उगायी जा सकती है—उभरे हुए
- भारत के किस राज्य में जूट का सर्वाधिक उत्पादन होता है—पश्चिम बंगाल में
- औद्योगिक कॉर्क किससे प्राप्त होता है—ओक से
- वह कौन सा पौधा है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह नये संसार से पुराने संसार में लाया गया है—आलू
- जब कोई वाहन गुजरता है, तो उसमें से निकले विषैले पदार्थों में से तीन के नाम बताइये—हाइड्रोकार्बन, CO एवं SO₂
- कौन सा कवक अल्कोहल बनाने में सबसे अधिक प्रयोग किया जाता है—यीस्ट
- दालें किसका एक अच्छा स्रोत होती हैं—प्रोटीन का
- क्या जूशिया में श्वसन मूल पायी जाती है—हां
- डी.एन.ए. क्या होता है—आनुवंशिक गुणों का वाहक
- गन्ना किसका मुख्य स्रोत है—शर्करा का
- मूंगफली को किस वानस्पतिक नाम से जाना जाता है—एरेकिस हाइपोजिया
- कवक एवं शैवाल में से आयोडीन किससे प्राप्त होता है—शैवाल
- वन शोध संस्थान कहाँ स्थित है—देहरादून में
- लावा मारक शैवाल कौन सा है—ओसिलेटोरिया
- कुम्भीरूप जड़ का एक उदाहरण दीजिए—शलजम
- मूली की जड़ किस प्रकार की होती है—तर्कुरूपी जड़
- सैकरीन चीनी से लगभग कितना अधिक मीठा होता है—400 गुना
- मीठे व्यंजन बनाने में सैकरीन का प्रयोग क्यों नहीं किया जाता है—सैकरीन गर्म करने पर नष्ट हो जाते हैं
- कॉफी पाउडर के साथ कौन सा पाउडर मिलाया जाता है—चिकोरी पाउडर

- टमाटर का खाने योग्य भाग कौन सा होता है —सम्पूर्ण फल
- विषरोधी इन्जेक्शन भारत के किस इन्स्टीट्यूट में बनाये जाते हैं —
हॉपकीन इन्स्टीट्यूट, मुम्बई
- पौधों को रोग प्रतिरोधी कैसे बनाते हैं —उनकी जंगली किस्म से प्रजनन करा के
- भारत में कृषि क्षेत्र को कितने 'एग्रो क्लाइमेटिक जोन्स' में बांटा गया है —15
- हेटरोसिस (Heterosis) क्या होती है —संकर प्रभुत्व
- 'बोरल साहनी' कौन हैं —भारत के प्रसिद्ध पुरावनमितिशास्त्री
- 'केन्द्रीय भोजन तकनीकी शोध संस्थान' कहाँ स्थित है —गैरूर में
- मानव द्वारा उत्पादित धान्य 'ट्रिटिकल' किसके बीच में संकरण द्वारा विकसित किया गया है —गेहूँ और राई
- 'बारबरा मैकलिन्दो' किस पर कार्य के लिए प्रसिद्ध है —मक्का पर
- हाई विनबर्ग नियम किससे संबंधित है —समाज में स्त्री एवं पुरुष की संख्या से
- जीवाश्मों की आयु का पता कैसे लगाया जाता है —रेडियोधर्मी कार्बन यौगिक को मात्रा से
- क्या 'एगारिकस' खाने योग्य कवक है —हां
- एल.एस.डी. किससे मिलती है —कवक से
- चन्दन को सामान्यतः किस प्रकार का परजीवी माना जाता है —
आंशिक मूलपरजीवी
- डाइथेन (Dithane) M-45 क्या है —कवकनाशी
- आंवला किस विटामिन का अच्छा स्रोत होता है —विटामिन 'सी' का
- यदि एक वृक्ष के पुराने तने की अनुप्रस्थ काट में 50 वार्षिक वलय मिलते हैं, तो वृक्ष की आयु कितनी होगी —50 वर्ष
- 'कैफीन, निकोटिन एवं टैनिन औषधियां किस वर्ग में आती हैं —
एल्केलॉयड्स वर्ग में
- साइटोलॉजी के अंतर्गत किसका अध्ययन आता है —कोशिका का
- फलों का अध्ययन कहाँ से प्राप्त किया जाता है —पोमोलॉजी से
- ब्रायोफाइट्स 'उभयचर पादपों' के नाम से क्यों प्रसिद्ध हैं ? —नम भूमि पर उगने तथा इनमें लैंगिक जनन हेतु जल की आवश्यकता के कारण
- वनस्पति विज्ञान की उस शाखा का नाम बताइये, जिसका संबंध पृथ्वी पर पादपों के वितरण से है —फाइटोग्योग्राफी
- नॉर्मन बोरलाग क्यों प्रसिद्ध है —हरित क्रांति के लिए
- शांत घाटी कहाँ स्थित है —केरल में
- यदि सजीव कोशिकाओं के समूह के घटकों को सावधानीपूर्वक छण्डित किया जाये, तो कौन सा छण्ड जीवित कहलायेगा —
हरितलवक
- एन्जाइम का प्रोटीन रहित भाग क्या कहलाता है —कोएन्जाइम
- सह-कोशिकाएं (Companion Cells) किस प्रकार की नलिकाओं से मिलती हैं —जुड़ी हुई चालनी नलिकाओं से
- संकरण का उत्पाद क्या कहलाता है —संकर
- भूमि की मिट्टी कब कार्यक्षीय दृष्टि से शुष्क होती है —मृदा विलयन की सान्द्रता कोशिका की अपेक्षा उच्च होने पर

अल्केलॉयड (Alkaloids)	स्रोत (Source)
कैफीन	कॉफी के बीज एवं चाय की पत्ती
डबूरिन	धतूरे की पत्ती एवं बीज
निकोटिन	तम्बाकू की पत्ती
एट्रोपिन	बेलाडोना की पत्ती एवं जड़
मोर्फिन	पोस्ते का कच्चा फल
क्वीनीन एवं सिनकोनिन	सिनकोना की छाल

- कोशिका के अध्ययन के लिए सूक्ष्मदर्शी के अतिरिक्त प्रयुक्त अन्य तकनीक का नाम बताइये —ऑटोरेडियोग्राफी

- हाइब्रिडोमास का व्यावहारिक उपयोग किसके संरक्षण के लिए होता है —मोनोक्लोनल प्रतिरक्षकों के
- सामाजिक यानिकी में एक वृक्ष की जाति के लिए सर्वाधिक प्राथमिकता वाला पदार्थ किस प्रकार का होना चाहिए —नेत्री से उगने वाला
- श्वसन भागफल कब शून्य होता है —श्वसनकारी पदार्थ के अपूर्ण रूप से आक्सीकृत होने पर
- चाय में 'लाल रस्ट रोग' किसके कारण होता है —हरे रीवाल के कारण
- गेहूँ के रस्ट रोग पर शोधकार्य करने वाले वैज्ञानिक कौन हैं —के.सी. मेहता
- मूंगफली की खेती के लिए कौन सी मिट्टी अच्छी मानी जाती है —
बलुई रोमट मिट्टी
- तम्बाकू में नाकॉटिक एवं सूईंग गुण किसके कारण होते हैं —निकोटिन के कारण
- न्यूरोटिक्स अर्थात् 'नाकॉटिक्स' किससे प्राप्त होते हैं —पैन्थर मोन्नीफेरम से.
- ATP का पूरा नाम क्या है —एडोनीसिन ट्राईफॉस्फेट
- 'सनड्यू' तथा 'कलश पादप' किस प्रकार के पौधे कहलाते हैं —
मांसाहारी
- चूषकांग किस पौधे में मिलते हैं —अमरवेल में
- रेशम उद्योग किसकी श्रेणी में आता है —सरीसृप की
- श्वसन भागफल कब एक से अधिक होता है —जब कार्बनिक अम्ल श्वसनकारी पदार्थ होते हैं
- मोनोहाइब्रिड का क्या अनुपात होता है —3 : 1
- डी.एन.ए. की खोज किसने की थी —मीशर ने
- 'चना, गेहूँ एवं अरुंडी' में से किसमें अंकुरण के समय बीजपत्र (Cotyledons) भूमि के अंदर रहते हैं —चना में
- शकरकन्द पौधे के किस भाग में भोजन संग्रहित होता है —जड़ों में

विभिन्न पशुओं का गर्भाधान समय

पशु	गर्भकाल
कुतिया	63 दिन
सुअरी	112 दिन
बकरी	150 दिन
भैंस	150 दिन
गाय	280 दिन
गैंस	308 दिन
घोड़ी	340 दिन

प्राणिशास्त्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

तथ्य	उदाहरण/विवरण
सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी	चीता
आदिम प्राइमेट (Primitive Primate)	लेम्पूर
ओवोविपेरस मैमल (Ovoviparous Mammals)	कंगारू
जरायुज (Viviparous) आर्थ्रोपोड्स	बिच्छू
शरीर में कुल RBC	25 करोड़
न्यूजीलैण्ड का राष्ट्रीय पक्षी	किवी (Kiwi)
ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु	कंगारू
आर्थ्रोपोडा का जीवित जीवाश्म	लिम्प्यूलस (Limulus)
सर्वाधिक व्यस्त अंग	हृदय (Heart)
सर्वाधिक बुद्धिमान लंगूर	चिम्पेंजी

तथ्य	उदाहरण/विवरण
द्वितीय सर्वाधिक बुद्धिमान प्राणी	डॉल्फिन (स्तनधारी)
सबसे बुद्धिमान प्राणी	मनुष्य
सबसे छोटा विषाणु (Virus)	पराओं में फुट माउथ वायरस (15-20 mμ)
सबसे छोटी बैक्टीरिया (Bacteria)	डायलिसटर (2μ)
सबसे छोटी कोशिका	माइक्रोप्लाज्मा (PPLO)
सबसे बड़ा वर्ग (Class)	एम्फीबिया
सबसे छोटा संघ (Phylum)	पोरीफेरा
सबसे छोटा प्रोटोजोआ	बैबेरिया
सबसे छोटा RBC	मस्सक डीयर
सबसे छोटा कपि (Ape)	गिबबन
सबसे छोटा पक्षी	हमिंग (मर्मर) बर्ड (क्यूबा)
सबसे छोटा स्तनधारी	छकून्डर (Shrew)
सबसे बड़ा वर्टीब्रा	लम्बर (Lumber)
सबसे बड़ी अंतर्ग्राही ग्रंथि	थायरॉइड
सबसे बड़ा हृदय	जिराफ
सबसे बड़ा पक्षी अभयारण्य	भरतपुर (केवलादेव) राजस्थान
भारत का सबसे बड़ा एक्वेरियम	तारापुर (मुम्बई)
सबसे बड़ी ग्रंथि	लीवर (Liver) या यकृत, जिगर
सबसे बड़ा लाल रक्त कण (RBC)	एम्फीयूमा (45μ तक)
सबसे बड़ नर्व	भेगस (Vagus)
सबसे बड़ा कोरल रीफ	ग्रेट बैरियर रीफ, ऑस्ट्रेलिया
सबसे बड़ा स्थलीय स्तनधारी	हाथी
सबसे बड़ा अण्डा	ऑस्ट्रिच
सबसे बड़ा मोलस्का	दैत्य स्क्विड
सबसे बड़ा स्थलीय पक्षी	ऑस्ट्रिच
सबसे बड़ा प्राइमेट	गोरिल्ला (Gorilla)
सबसे बड़ा स्तनधारी	नीली ह्वेल (Blue Whale)

- किस मौसम में कैम्बियम सर्वाधिक सक्रिय होता है—वसन्त ऋतु में
- वृद्धि वलय किसकी सक्रियता के कारण बनती है—अंतरऋतीय एधा
- हर्बेरियम क्या होता है—पौधों का संग्रह
- तने के रूपान्तरण के तीन उदाहरण दीजिए—आलू के स्तंभ कण, अदरक का प्रकन्द एवं धुइयाँ का घनकन्द
- वायूतक (Aerenchyma) किसमें पाया जाता है—हाइड्रोफाइड्स
- जिम्नोस्पर्म का फ्लोएम एन्जियोस्पर्म से क्यों भिन्न होता है—सखि कोशिकाओं की अनुपस्थिति के कारण
- बसन्तीकरण किसे कहते हैं—नम बीजों को कम तापमान पर रखकर पुष्पन करना
- क्राइसेन्थेमस के पौधे सर्दी में ही पुष्पन क्यों करते हैं—अल्पप्रकाशावधि वाला होने के कारण
- काष्ठ का सामान्य नाम क्या है—द्वितीयक जाइलम
- मूंगफली में खाने योग्य भाग कौन सा होता है—भ्रूण तथा बीजपत्र
- लीची के खाने योग्य भाग को क्या कहते हैं—मांसल एरिल
- आम का खाने योग्य भाग क्या होता है—मध्य फलभिन्ति
- ओपियम (पोस्ता) में बीजों का प्रकीर्णन किस विधि द्वारा होता है—दोलन विधि
- आलू का रूपान्तरित कन्द क्या होता है—स्तंभ
- झोसेरा किस प्रकार का पादप है—कीटाहारी
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण जीवाणु युक्त ग्रंथिकाएँ किसकी जड़ों में पायी जाती हैं—चने की
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण जीवाणु युक्त ग्रंथिकाएँ डालकुल के पौधे के जड़ों में पायी जाती हैं।
- मण्ड की आधारीक इकाई क्या होती है—ग्लूकोज
- कंटक एक रूपांतरित शाखा क्यों होती है—पत्ती के कक्ष से निकलने के कारण

- यह कौन सा शाकीय पौधा है, जो सर्दी में वापस भूमि में नष्ट हो जाता है किन्तु पुनः भूमिगत भागों से उत्पन्न होता है—बहुवर्षीय पौधा
- गलों में धंसे हुए रन्ध्र किसकी पत्तियों में पाये जाते हैं—नारियल की
- पीढ़ी से होकर अनुकूलन के कारण क्या बढ़ता है—उद्विकास
- इथेनॉल के उत्पादन के लिए किस प्रकार की फसलों को उगाया जाता है—ऊर्जा वाली फसलों को
- आनुवंशिक विभिन्नता द्वारा जीव अस्तित्व वाले रूपों से जीवों में नये प्रकारों को उत्पन्न करने वाली धीमी प्रक्रिया को क्या कहते हैं—उद्विकास
- भूमि पर पाया जाने वाला प्रथम पादप कौन सा है—त्रायोफाइड्स
- वह कौन सा पौधा है, जो 1500 वर्ष तक जीवित रहता है—सिकोइया
- अधिकांश वृक्ष किस ऋतु में तेजी से बढ़ते हैं—वसन्त ऋतु में
- आम किस विटामिन का अच्छा स्रोत है—विटामिन A का
- जिबरेलिन की खोज सर्वप्रथम किनसे की गयी—कवकों से
- 'फल शोध संस्थान' कहाँ स्थित है—सबौर (भागलपुर) में
- अधिकांश काजू भारत के किस राज्य से आता है—केरल से
- वह कौन सा कुल है, जिसमें रबड़क्षीरी ऊतक मिलते हैं—यूफोर्बियसी
- केन्द्रीय जूट शोध संस्थान कहाँ स्थित है—कोलकाता में
- 'गेहूँ का काला रस्ट' नामक रोग किसके द्वारा उत्पन्न होता है—कवक द्वारा
- वह कौन सा पौधा है, जो मसाले तथा रंग के स्रोत के रूप में प्रयुक्त होता है—हल्दी
- अल्पाइन क्षेत्र में 'रेड स्नो बॉल रोग' उत्पन्न करने वाला कौन होता है—होमेटोकोकस
- बड़े तालों में शैवालों को उगाकर किस ऊर्जा को प्राप्त किया जा सकता है—सौर ऊर्जा को
- संसार के प्रमुख भोजन वाली फसलों का संबंध किस कुल से होता है—ग्रेमिनी कुल से
- भारत की प्रमुख फसल कौन सी है—चावल
- भारत का कौन सा राज्य गन्ने का सर्वाधिक उत्पादन करता है—उत्तर प्रदेश
- कार्थेमस टिकटोरियस (Saff Flower) क्या है—तेल बीजों वाली फसल
- फसल चक्र (Rotation of Crops) भूमि के लिए क्यों आवश्यक होता है—भूमि की उर्वरता बढ़ाने के लिए
- कमल में खाने योग्य भाग को क्या कहते हैं—बीजपत्र
- अस्थियों को आपस में जोड़ने वाली पेशियाँ कहलाती हैं—लिगमेंट्स
- स्तनधारियों की कोशिकाओं में कैरेटिन बनने की प्रक्रिया कहलाती है—शल्कीभवन
- कंकाल (Skeleton) किस प्रकार का ऊतक है—संयोजी
- अस्थियाँ (Bones) मूलतः क्या हैं—ऊतक
- वह कौन सा पौधा है, जो तेल, जन्तु-भोजन एवं रेशों सहित अनेक उपयोगी पदार्थ उत्पन्न करता है—कपास
- मैग्नेशियम एवं कैल्शियम के लवण किस प्रक्रिया द्वारा दांतों एवं हड्डियों को मजबूत बनाते हैं—स्तरीकरण
- प्रारंभिक अवस्था में कशेरुकाओं (Vertebrae) की संख्या कितनी होती है—33
- पसलियों (Ribs) को आपस में जोड़ने वाली अस्थि का क्या नाम है—स्टर्नम
- वेरिकोज शिराएँ कहाँ पायी जाती हैं—लिगामेंट
- पेशियों का लाल रंग किसकी उपस्थिति के कारण होता है—मायोग्लोबिन
- ऊपरी बाहु (Forearm) की अस्थि क्या कहलाती है—ह्यूमरस
- जांघ की अस्थि क्या कहलाती है—फीमर (सबसे बड़ी हड्डी)

